स्तुतिमृत्युनि ॥ १०८ ॥

रागः ॥ मंगल ॥ तालखं ॥ स्तुति मृत्युनिषमा
दा ॥ ध्रु ॥ भूलिन भ्रान न्हेइसी हन खंधलोक
भूसउन्यनृधनमयाथास ॥ ननमक्षवाने
क्लिनेधनमसकिउमनथ्वइगासमइउवि
नाघः स्तुति ॥ १ ॥ ढंपालमइस्यधनिःगु
लिपरकोममल्लःकविजय·यपपनकोम
॥गुरुस्वनिपगुपनिदविपावंगीयांथस
मिआदुनिधानः कमृत्युनिः ॥ २ ॥ ॐ ॥
रागः ॥ मंगल ॥ तालरादं ॥ सिनिनिथ्यना
थ·याक्षपाघ ॥ कामृनापृनइलल·भ्राउ
नथन ॥ १ ॥ सिनिनेदवाहाइनसोहं
॥ मंसालयाधनिःइलभ्राउा ॥ २ ॥ ॐ
रागः ॥ मंगल ॥ तालथो ॥ वेजविनमा
हाकाललैनवं ॥ ध्रु ॥ कउनसिलसः
मकुकनसी ॥ कननिकपात्रगास्पविः

शिविनिथ्या ॥ १०९ ॥

क्षाकः वज्रविन ॥ १ ॥ थूयाङ्गतुलिद्यग
म्हिद्याउ ॥ धनमिलमालनकोस्वामीः व
ज्रविन ॥ २ ॥ नक्याह्यलनऽअसयानिमा
॥ न्यानन्द वमालयाक्ष्मसः वज्रविन ॥ ३ ॥
मुनाथयाथूलिविनकिछ्किकं ॥ स्वयम
लजगानस्वनाउः वज्रविन ॥ ४ ॥ दपा
लयाश्रीश्रु नन्द्रविक्रमसाह ॥ क्षाक
म्यामनपूनयाउः वज्रवि ॥ ५ ॥ ०
रोगा ॥ मालअ ॥ काल ॥ नउसीं ॥ साद्‌ः वा
लःन्मसनिविसालःश्रावद्यप्रथमदिन ॥
सासकष्टःसासाइंः स्व ॥ जगनकंपमाग
हंः हंः हंः ॥ ग्राहिग्राहिः हंमां हंमांः को
उनउपाहूंकंशुगुमि ॥ सिद्धमेथकु
मानिसवकमुनयदसांमसांमाया ॥
साककेछमाप्रमन ॥ जयेरपक्ष दं
विमाना ॥ ॥ ० ॥

२मागा ॥ मालआ ॥ नाल-लं ॥ मोंनातनि
नमा दविदमोनाथ्यब्वति ॥ र्के ॥ रखाल
उक्षकपृतियाः नेजवन्द्रगुनगया ॥ ङ्क
सणकुन्दलहिदविया ॥ मिलसमतु
कल्याः दलमाहिमाटिकयाः मलक
जाङ्केलकअनयाः मोंनान ॥ १ ॥ कु
लिसह्लदलनयाः द्यालजकिमद्यंमीखा
॥ दनमिलनागनंकेखाया ॥ विघ्नाः
कनसघ दनाम्वलद्धसकअनयाग
दसङ्किहिमझयाः मोंनान ॥ २ ॥ खर्वी
खपनमनः जाद्याअदंवनृथाना ॥
ह्लनकलनाशवयलिया ॥ मेलयवन
विया नसनप्यारवद्यह्लयाः मोदल
पृमघसंखवनयाः मोंनान ॥ ३ ॥ ङ्का
यमह्लजनमःयाः मदेमामूपालयाः ॥

(श्रीगणेशाय ॥ ९९२ ॥

१८

म्रनजगुमवब्रह्मया ॥ म्रनगदानक्रमाः
याहृनः श्रीमाहंमापाःज्ञाकम्रम्रनाथसिया
ॐःमाकात्नलिः ॥ ४ ॥ ॐ ॥ ॥
स्वाग ॥ म्रामावनि ॥ मालुह्वमी ॥ कालिम्र
लाधमलिकः क्रमसकेगुलथिक ॥ मिलः
कवद्रमाविनन मिकः मिलमदमानाः म
नुकलसमथिकः कंकालि ॥ मिलममनुक
लसमथिकः ॐाणिनिदमानाः दाकिनियान
नलिकः कंकालि ॥ ५ ॥ मिउनस्याउमाडिः
कः भाटि याहालमकिकः वदनविलम्र
निलमलिलः ऊनिगः धृङगुलिजसवी
वकेकालि ॥ ऊनिगः धृङ्कगुलिजस
विकः लाहाटिस दमानाः म्रकिमकिमावनि
कः कंकालि ॥ २ ॥ नाऊनधलअलिकः म्रि
लिऊसवदथिकं ॥ कंकालि कालिकालिः
काकालऊडिकः म्रमैगामसनपटइकिः

कः ह्युकिमृ्युकिविजमृदिकः कंकालि
॥ ३ ॥ पापयाकक्ष्मह्लिकेःपुंनयालपु
सलिक॥ ह्वस्वक्षधिज्याः मट्टापमिकह्
याओपालिसःमटाइ्ह्लिकेःकंकालि॥ ह्
याओपालिसःमटाइह्लिकेःयाओजिपा
पिस्मः मृलिकज्ञुलिकंकालि॥ ४ ॥ ऊँ॥
रव्नागा॥ कोला॥ कालप्रका॥ मृथिनथ्वस
मिलस्क्वापविधाटमयायपनउपकान्ः
॥ क ॥ मृमिह्नवस्वधद्नाओनसक्षःथओः
ह्निमक्षवीनाओ॥ ओनेउमामसवीनेः
क्ष्मिमाओनसःमृनगाख्वाटस्वयाओःमृ
थिन॥ १ ॥ मृटिकेओविनङ्मेवीक्षवल
ह्निनमसिलस्मृमिघबानाओ॥ वीलस्वेः
गार्हस्यपिकयावश्वनःप्राटमलनिप्य
वीघःमृथिनः॥ २ ॥ स्वनाओमृघ
मृमिकनूघाउःगपालिङयाओमनही

लाउ ॥ क्काया उ दमलिनद कथउहि
नः अना उथमया कानक्षः मृथिन ३ ॥
॥ दक्वसनिलयानाया अनिलहि लःखा
या उसिमाया थाम ॥ अना उ उयाथास
कियाउनालमाः मेगाविलथ उमांसः
मृनिनः ॥ ४ ॥ ग नमरयाकस्कवनम
हलयाछुगामथाम ॥ क्काकस्कयाथुः
सिहमकियापनुलिः विहनमनक्षः
क्कियालिः मृथिनः ॥ ग ॥ ०ं ॥
रमाया ॥ ॥ गोलवाद ॥ हेह विहनि ॥ क
काहा गंऽं नहं हमलिनगाठिनया ॥ वन
थगनमर ०ं हमविनगानिः हेहनि· हनी
॥ १ ॥ कनमकिछलर ०ं ३ं रवमनिः
ह ०ं ॥ नाउंद्रविक्रमसाहासनिपः
नागें ॥ हेहनिः हनि ॥ २ ॥ ०ं ॥

१राग॥ सारंग॥ मलद्भमां॥ हादंकुंदः
लालयस्वतंः हादः नेगालालयस्वहं॥ हा
दमा हय्यामतुकेमकुश्युलस्वहिदर मधून
मूतृमिग त्वम॥ ॥ ꣼ ॥
१राग॥ सारंग॥ नालवा॥ मनहस्तिमव
जाङ्खलोमखिबिविघावदजाङ्ःमनह
स्ति॥ ध्रु॥ शुनियमतिविद्दलनिकनक
नजानि॥ विनहय हनमनिप्राक्षपित्र
स्वविनंःमदहने॥ १ ॥ माजोयहपे
निज्ञातनवाहाइत्रंनिप॥ देखनमा
हलयकुमक्षिपरुनःमनहने॥ २ ॥ ꣼
१राग॥ सारंग॥ नालवा॥ नमारस्त्री
ऊर्यांसमथगुनहने॥ ध्रु॥ नवपिनि
नमालिनिमगालियविन्द्रावघ॥ वस
निचजाङ्यरमोहलवपिनिनःजु

१कृष्णलालय॥ ११७॥ १मेनहस्ति॥ ११८॥

नहन॥ १ ॥पद्मदस्काश्च नःकैरवा
श्चनविश्रासन॥मालियमालानपधन
गितिःशुद्धस्न॥ २ ॥कलियसंघप
निःकलियमथुनापूनि॥कलियमं
रवनःमाहदाइ ओलःशुद्धस्न॥ ३ ॥
स्नपयपापनिःस्नविकुलपनि॥श्रीनः
क्षवासाइ नरस्मार्द वमिल्लामनिःशुद्ध
स्नःगुनस्न॥ ४ ॥ ॐ ॥
रनाग॥माल ओं॥ कुलल लैं॥श्रीक्काका
मिधिहनकि उ ला यापिपनि॥ ॐ ॥ कैन
कपूनिउ उनिः क्षासदसउयदनि॥
धनरवनदयकेतुमनिः श्रीक्काकामिः
॥ १ ॥ कयालाखविवियमालिःजि उया
संदसथुनि॥धिनरुयापकहगुनिः
श्रीक्कास्को॥ २ ॥ कसनिनिपुक्रसद

निःरवपकाओविक्वगापूनि ॥ जगलया
यक्कहगुनिःश्री क्कास्का ॥ ३ ॥ सगुपि
याध्वकूमनिह्नकेपवासाद्दूनि ॥ वोध
विललामाइंगुमनिःश्री क्कास्का ॥ ४
निपालयाक्कत्रपटिवाहाइनमनपनी
॥ पनगायाइपुओक्कगानिःश्री क्काः
स्कामिसिह्नकिओः ॥ ५ ॥ ॐ ॥
रमाग ॥ मानेगे ॥ मालप कुमां ॥ ॐ मिपि
देविःहादेःगवानजयानिम्बादिमाकाः
हादेःसमवक्केवगुंधानाःसेनमदाका
हादेःनंलोव्काओंस्वतिमाहालकी
मिःहाहादेःदेःविकूमानि ॥ ॐ ॥
रमाग ॥ मानेगा ॥ मालश्री ॥ श्री देविव
गुंधानारवहयाःस्वनि ॥ क्कित्र
यगुवर्क्केयाउनजनेनिःवसंधांना

१ श्रीगुरु ईश्वरः शवा ॥ १८० ॥

कुमानिलक्ष्मि ॥ १ ॥ त्रजत्वषूम:
खटपात्रमिगा दं वि॥ जउानवनदा:
पाथिलजतनि: वशुंधा ॥ २ ॥ वशुंधा
नाकुमानि· माहालक्ष्मिस्वरुनूप ॥ स्व
क्षदक्षक्षथ्यविक्षाकजतनि: वशुंधा:
॥ ३ ॥ ह्लाकक्षथ्याविहटिस· श्री दंवि
वनक्षस ॥ स्वयम्भुलकनूनामि त्वान:
जनदि: वशुंधाना ॥ ४ ॥ ॐ ॥
२ माना ॥ श्री ॥ नाल: राद ॥ म्याआजिआनक्षस: इ
गुनिमनयस्वानपामाल ॥ जिदासनस्वान:
मालक्ष्मायहनियावनक्षस ॥ १ ॥ रागाजिका
उाम· नसनयधूगुगुलह्लाय ॥ दयालक्ष्मि मि
यास्वामी· जयपनकामनह्लाक ॥ २ ॥

२ म्याआजिआन ॥ ११२ ॥ २ वशुंधाना ॥ १२१ ॥

रमागा ॥ मुसावृति ॥ गालवा ॥ श्रीख्कास्का
मिशिसवकउमानयाकश्चिन ॥ ध ॥ मिः
लसमतुकलूयावधमालानकरवासःथ्या
सथ्यासदंनामोठिपूष्माइल ॥ जउनस
नजाःमःखउक्षनक्रेनयाशंजदजाना:
अविघ्नाकःश्रीस्काःस्काः ॥ १ ॥ जअंख
अंमिंयिनिःवांघिलि-नया अनसनविघ्ना
केमूनयड्या ॥ सपक्षसखनाडिनःस्क
लपालयाक-असमहिलिजिक्षधयाःश्री
स्कास्काः ॥ २ ॥ पक्ष्वलिवियधका-अ
याजिक्षासदंसःत्रक्तिरयामिरयाक्ष्सवान
इल ॥ खसखदगापनजाःदालक्ष्मिकउअ
लया-माॐयानजक्षनियापुःश्रीस्का
स्काः ॥ ३ ॥ कपालयाक्षत्रपश्रीगुनवु
विक्रमःजसयापनापवोल ॥ इधवि

क्रमसिंहः आयाम्हि क्रोसदँसः माङुयाः
दनसक्षयानाः श्रीक्ष्मा क्ष्काः ॥ ४ ॥ ॐ ॥
रनारा । वला आम् ॥ गालघु ॥ सँमालसम
लसलका आ ऊक्षनिमाकार ॥ ॐ ॥ दसम
याधसनिल क वलायामस्पयामः गुणसः
क्ष्किह्मनाअनया ॥ कामक्रोधलोलमोहः पा
पसतुल्कुह्मिसः किलसजिविश्रमलला
नाः ऊसनिमाला ॥ १ ॥ गधआनगनवो
न्वः जि मूर्धर्मिम्चानावोक्षाः जयमशैष्ठि
दाजित अना ॥ ऊसनिक्षिधका आयाक्षि
लिकसवासवास ठोदमः मूवलायामवः
मइ जानाः ऊसनिमालाः ॥ २ ॥ क्रुयाना
पापिकस पूलिङः खद ॐ वनः तालेपम
ङुधवँदास ॥ ऊनमजिदसआलः स्वापव
ॐ तजिथ्यनः थजिआदाशुरव ॐ मकाया

जयनिमानाः॥ ३ ॥ ज्ञानकामयाम्नातश्रीः
रत्नंनवरत्नंनविः गानसदियांदउनेः
वानि॥ लटवलपिजिमृगथनिदाउड्मों
हेरवानिःकेनमग्यजम्मपृत्रदेसःजः
यनिमानाःसंस्मालमः॥ ४ ॥ ॐ॥
स्नाग॥ विलास॥ मालस्नें॥ मृनपुत्रजाॐ२
मनिपृडकदेरवकदहि॥ त्रिस्वनस्वद
मोहिनखेजःकृतनृगदाॐ॥ १ ॥ सन्न
मदधवनियरमनिपोत्रकेवधानदहिः
॥ नेपालस्वनपनिशुभेन्द्रविक्रमसा
हदेवः॥ २ ॥ ॐ॥
स्नाग॥ काहि॥ मालसोमां॥ गंगाधाविः
नृ॥ हनधननृप॥ संस्वनदेवा॥ गमउेन
कालमृदंगाथबाऊं॥ नायमपमंत्रदेवा
॥ १ ॥ ॐ॥ ० ॥

रत्नपुत्र॥१९२७॥ रजगोधाःश्वा॥१९२३॥

खागा ॥ मैगाल ॥ मालवा ॥ दहासवावान
क्षमकाउमदान ॥ ध्रु ॥ बेसुथापदः
नागनाजासहितन ॥ पूजाः पूजापंथाप
वानिः लगा ॥ १ ॥ मक्षयासपखवनदः
कोलाकमूनाउ ॥ जात्राः किवथमनादः
लगाः ॥ २ ॥ द्वादसमिसथनाममूछुवे
कनागासहितन ॥ उपकिर्थेःसहितमेः
नादः लगाः ॥ ३ ॥ खञ्जकिम्ववनःइगो
किनासन ॥ पापदकःछुनकिनक्षनःल
गावाः ॥ ४ ॥ पञ्चमालःडाउवाजासहि
तन ॥ प्रदक्षिनाः गोत्रबीनादः लगावाः
॥ ५ ॥ उगथापनपूर्णालायकोमूथा
न ॥ ध्रु ह्मनः स्वयंलपूजानः लगा ॥ ६ ॥
क्षाकमक्षयाविनटिदःदकर्थियाछु
लेन ॥ क्षोह्मन्यै२वृधयामनदः लगा
वानक्षमकाउमदानः ॥ ७ ॥ ० ॥

रनाग ॥ श्री ॥ नालश्रमा ॥ धनम याखामि
खावान ॥ ॐ ॥ नजलपरमामिनविवा
लया नाउ ॥ यानिपशधनलपखउम
याखपद ॥ १ ॥ गागदकनजउसउन
दयकाउ ॥ उमपूनखयानामइहिना
दा ॥ २ ॥ अहृनिनदयकलउनल
हिसाउ ॥ लहिकमामिलखाउ·उया:
नउखपाद ॥ ३ ॥ सायथन·सनजन
जनमनजसाउ ॥ पूलिमियाउ·न
जलपरमावान ॥ ४ ॥ छिदामयाम:
वमइ·छिपालिविमान ॥ उनथाय
खउलपूजिर्वनाउ ॥ ५ ॥ ॐ ॥
रनाग ॥ हिप्राम ॥ नासवा ॥ श्रुनियम:
निमनाथ ॥ ॐ ॥ मददामनाथम
निदासिमदलावि ॥ मपूनवपूनख:

धनम याखामि ॥ १२८ ॥

श्रुनिमनाथ ॥ १२९ ॥

धायनसमा हदा·मनधाहिविनजिमला
नेःखुनियः ॥ १ ॥ हदनश्रीनक्षवासाङ्न
माहियनियहिज्ञानि ॥ गूपूनूवङ्गादय
मनस्वलाकनियःकेहयमदामेनिमानिः
सूथियःभतिमनतथ ॥ २ ॥ ३ ॥
रागा ॥ जय जमैजि ॥ मालवी ॥ वलाम
वरनावाधनमामनी ॥ ध्रु ॥ नधानधान
वक्लिदाधममविकनसूमकि ॥ तुलसि
ममदधाकनियःयमुजोनिर ॥ १ ॥ र
नकमहिपकि·निपनक्षवासाङन ॥ वन
रवानपिथूनकेननपकिलानेरवलीः
मूवरनावोक्षः ॥ २ ॥ ३ ॥
रागा ॥ विलास ॥ मालवी ॥ उग्रसेननामना
जापननापेहम ॥ थथनरवक्षपननामन
सूरसूःउग्रसेः ॥ १ ॥ धनसकानलानाज्ञा
शुमकिसनम ॥ नाजिन्द्रविक्रमसाहः
निपवननलाम्येःउग्रसेः ॥ २ ॥ ३ ॥

२ वलाम ॥ १३० ॥
२ उग्रसेन ॥ १३१ ॥

॥ भीतचन्द्रअग्रा ॥ १३२ ॥ ॥ अगिरमाळि ॥ १३३ ॥

रागा ॥ जयजमकी ॥ ताल जति ॥
मूलचनउनन्या·थउङ्केलनानं ॥
हालपाथ्वइलथनिसिवयादयानं:
मूइगुनिगुलयावखान ॥ १ ॥ दया
लक्ष्मीमायास्वामिजयपनकास ॥ कन
मसयीसहलः दङ्वयाविनासःमू
इगुनिगुलयावखान ॥ २ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ केला ॥ ताल जति ॥ उनयाजि
वनथपङ्ललाउ ॥ ध्रु ॥ गुनजल्या
उयाल·कडेइलवनथन ॥ गुपावन
माकरपूसनिहालङ्कवाढः उनयाः
॥ १ ॥ सिमासमयाउवानः भूटिहि
यह्लिनह्ल ल ॥ स्वासनउमूनीरमंइः
विस्वउमिइलः उनयाः ॥ २ ॥ ना
नानंमयाकूछुमिस्वाढः गुगान्वइ

याउँबान ॥ रावनयावासरमइःस्वाः
लङ्गयाह्लनःउँनया ॥ ३ ॥ थ्याङ्कुरसि
उँअगिङ्याःसूमलयाक्षमाँयनङ्ग ॥ ह्ल
याद्दयगलरवलःचानिपरवनाउँःउँन
याः ॥ ४ ॥ ङ्गाकरद्रविनेविम्रनेनिया
विचक्षनिर्दूसि ॥ श्रीमनवासरइनःचनि
यनिसाङ्किःउँनयाः ॥ ५ ॥ ०ँ ॥
रमाग ॥ म्याससावपि ॥ नालउँटि ॥ समिनसँ
मिवरनामलियम्याउँ ॥ ध्रु ॥ म्याउँसाम
स्वामिसँग दहोप्राप्तग्यागाकने नामनाम
वालियकंउँायभनिम्याउँ ॥ प्रभिविनूत
हक्षस्वगाभिनहिगुलसभिनामनामःम
दामाविलासःसटिनसेः ॥ १ ॥ प्रहजिव
पदमिलिःॐहनापकनिकंःमक्षनसहनि २
वयकुँधवास ॥ गुनद्रविक्रमसाहादव
गुह्यउँनहिकंगुलसभिदियउपदसः
सटिनसँ ॥ २ ॥ ०ँ ॥

॥ ९ ॥ ४ ॥ [illegible]

ली

२ राग ॥ मालू ॥ नालप्रभा ॥ मनकामनाद्वः
विकानदिरागुनयावस्वानि ॥ ७ ॥ मनङः
लशुक्रेञानि · थामवाक्षपानवनि ॥ स्वामि
ङलहेञदानि २ श्रीपसपटिः मक्षकाम
ना ॥ १ ॥ पकिनयामनिवानि · दनसक्षवी
ञमटि ॥ ङनविञाहेञनक्षिरयापली:
जमनिः मनका ॥ २ ॥ सैमालयामइगः
नि · बानंबानङ्गस्वमृटि ॥ डोलबालेहेः
ञनक्षिरमइजिनङ्कनिः मनका ॥ ३ ॥
पृथिनानंपनदव · न्ययालयाङ्कत्रप
नि ॥ शुस्वविलहेञदानि२पनजालीक
हनिः मक्षकामना ॥ ४ ॥ ॐ ॥
२ राग ॥ सानेरी ॥ मालवै ॥ ञयप्रहनवावाः
ग · लक्षनया ७ं स्वन ॥ क्षिनृपगुनयाव
स्वान नृइगुनिनसमटि प्राणनाथमहे
॥ १ ॥ औनाञवैनाथसन · नामकाञ

अनवकामनना ॥ १३८ ॥ मधुयकेरामा ॥ १३४ ॥

ऊगदिस्वन ॥ पन उपकान ब्याक मक्म
इगदिः नमस मठि प्राणनाथ मह्‌ ॥ २ ॥
नौ ह्मांजिक माक्त ह्लि · थू लिसजि विनदि ॥
कनूनामि स्वाक्ष स्वसे वीउ ओधुमगु मिःन
समको प्रान नाथ मह्‌ ॥ ३ ॥ ००० ॥
रागा ॥ स्वनथ ॥ तालप्रता ॥ जाॐ वलौनिः
वलौ मूवनाजिक गाॐ वलौनि ॥ ध्रु ॥ कप
न मूगा स्वरः सस्त्र मूस्त्र धान ॥ वलकदामकोर
साथलियन वलमूवनाजिकः जाॐव ॥ १ ॥
कोहन नृपति श्रीनक्षवालाइन ॥ धनूकनः
सस्त्रुलियन स्वलक्ष जाॐः वलमूवनाजि
कः दरवनमा ॐ ॥ २ ॥ ००० ॥
राग ॥ मालश्री ॥ ताले ॥ अष्ठा ॥ ॥ याग्मं वनअन्न
पूर्णा माङ रवदूःस्व इका शुख्व आनि कीमाः लऊ क्षाम
पा ० कन्या पूजा आदि अन्न दान याना नवि ०व आ
नि कीमा ॥ ॥ शुभसम्वत्‌ १० ॥ सालाप्व ८ सःअः

॥ ६३९ ॥ हि व ००० नि

रागः ॥ मालश्री ॥ तालजति ॥ सादवैदि
रवाणिः म्वादि कृमानिनिः सूलि डनपालि
निः डक्षथ कृमानि ॥ रवरप हेंडिमि ईर्वी
दिमानिनिः नृपमनिवालरवः पक्ष्मस याः
य ॥ ० ॥ ॐ ॥
रागः ॥ मालश्री ॥ ताल ॥ लं ॥ दनिविधिमः
रवपननरज्ञ ॐ सेला ॥ म्वानच्छनसपनः
मजिपदक्ष्मानिः नारवोसवाणि ॥ १ ॥ म
धूक ॐ नपवधः श्रीरवाश्रुनमान ॥ श्रीरव
क्षपानेः रूसनृभनः नाषा ॥ २ ॥ समन
धमियावमि किमवरूनृपि ॥ मानिनिसं
रनिश्रुं नसनृपिः नारव ॥ ३ ॥ निपनिः
रुगाकडयः नवबसवाकें ॥ मूळन्येस
वकज्ञानिः नारवसदामः नारविरवा
णि ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रेखवीरवानि ॥ १ ॥ रेतिवेधि ॥ २ ॥

रागा॥ मालश्री॥ तालग्रुक्ता॥ पन्नगाक
उद्यनिःश्रुति विकलालसेः त्रिपिकुलना
यकनवरय दनाद्यि॥ नावयमं दोलश्रुतिः
धाव्रयपगानउधिःन ॐ नवबीघद्यः बन्धी
श्रुक्ताति॥ ॐ ॥ ० ॥
रागा॥ मालश्रि॥ तालजति॥ मामादॆवि॥
धु॥ जयंरशुद्दकालित्री हवंन्याग्राद्यिःमा
मादॆवि॥ १ ॥ त्रिधिशिद्रिहलपाकाःत्री
पुनाशुनमात्रिद्यि॥ श्रुगामानिगान शुवाःदं
विजवाकउद्यनिःमामा॥ २ ॥ खजखपन
त्रीशुलदम्नूःसदुमालाधात्रिद्यि॥ शुन
गुनूकुंवलावनिःसिलखंसप्रहासनिःमा
मादॆं॥ ३ ॥ सितिजयथकुनाद्यिनरलोक
पालिनि॥ सिवसकि मूलन्धनिनुपवन
दाकाःमामादॆवि॥ ४ ॥ ॐ ॥

श्री स्वयंभूमान ॥ ७ ॥ १८ ॥ जगदिमस ॥ १८ ॥

रागः ॥ मालश्री ॥ मालवोमां ॥ श्री स्वयंभू
जिन्हं मञ्जु मालास्वरं ॥ दक्षक लालयः श्री
दायनवदक्ष ॥ कनटिकपालधनः वालख
नुपि ॥ लारदं जयंरकामिनिमाना ॥ ॐ
रागः ॥ मालश्री ॥ मालवा ॥ नाजस्वदिमस
जिलजाझधिःनाजगदिमसगोलजा ॥ जयं
टिजयंरसंरवलालयःनाजिनादिपदंवः
जाझधिःनाज ॥ १ ॥ जरायविपसनकादी
हिरवदःकुंविनानकमधजा ॥ लमानिनि
नमटिदॐ स्वगक्षझधिःहिमगेनवनची
लिजयःनाजगहिम ॥ २ ॥ मुञ्जनवल
लिनसालनसइनः मुहंकाछुनलान्दीनि
॥ बिनमिकलिकलिःदक्षिवानकिःसंप
जिनकिरवपिलिजपःनाज ॥ ३ ॥ इलिन
नमनमः सामपायिनःनानकापमिनुपिः
नि ॥ कालिकालनन्पिखिझधिःकालिका

हलनृपिनिजयः नाऊ ॥ ६ ॥ हपजनाज

यः न्मासविद्यायनः मेहसैलवदवद ॥ वि

नसनाहब्यमूविनवाप्पटिः जिमूखवनैः

मूखसंपटि जयः नाऊ ॥ ३ ॥ ०ं ॥

रनाग ॥ मालश्री ॥ नालपञ्चमी ॥ वंदिनिः

जम्पूमात्रीका ॥ त्रिपूनहवाछिः कननः

हनतुडनाऊ ॥ मननननदविद्यावन

हनरिवनः नूसूननिङ्दनमाने ॥ जय

हनावटि ॥ ऊ यमाहंसाया ॥ ० ॥ ०ं ॥

जति

रनाग ॥ मालश्री ॥ नालबा ॥ ऊसनिख्वनाथम

हं ॥ ध ॥ कपूनिवदहाञ्जवन्द्रसखवनः ग

उबीनाथसंखवनेजयहं ॥ नद्वीनिहिस्थिगाः

हमाथहनषक्षनावयदवमहखवनः ऊ

॥ १ ॥ त्रीजिलधानिनिः दन्यनूवाजिनह

नप्रनमाथहनरिवनहं ॥ ॥ नाऊ नाजिद्र

विक्रमसाहवः कदयकेमनपूननि ॥ २ ॥

रागः॥ मालश्री॥ तालवा॥ नमा २ नमादे
वि त्रिभुवन्यामाननिर्हदे॥ विकनकपून
पनः ह ठ्ठवीकालिनिः नमा २॥ १॥
हरखलनजम्भ्रःत्रीगुलदेवनुधानदे॥
हपजगानउधेःमंगलकालिनिःनमा २
॥ २॥ ॐ॥
राग॥ मालश्री॥ तालजति॥ जगनजन
निथकुशानिहबाधि॥ धु॥ जयनमा
वश्रीमोनामदलमनयाउन॥ हजलप
जसमावविलेमस्थायामःजगा॥ १॥
नृपजयपनकाममलनस्कालन॥ कि
पानसेविद्याहृनदामात्रीनवानिःज
यामजदनि॥ २॥ ॐ॥

मोहनीरागमा॥ ५॥ ८ जगतजमा॥ १०॥

रागा॥ मालश्री॥ तालगाउ॥ जयरुद्रा गिरि
निःविरानि भुनियेमाताः चरनछिपालि॥
कोटि कोटि असुरसंहारिनी चन्द्रीनिःविरा
टि सुनियेमाताः करुनान॥ १ ॥ रहस अटि
नविरः क्रोधकियो अहं कालः गयोमारा भु
र॥ खप्तत्रीसूलधारिः जगानिचन्द्रिनिःविनति
भुनिये॥ २ ॥ नारसिंलजपमालाः स्वनिः
देलवसनेज भयंकररूप॥ नेज भवमार्ग
वरिजोगिनिचन्द्रीनिःविनतिभु॥ ३ ॥ से
वक जानिये देविः जयपरकासप्रभुः सुदि
ष्टिनाल्विय॥ मनवहोकविनामः निरबुद्धिः
चन्द्रीनिःविरानि भुनिये॥ ४ ॥ ०॥
रागा॥ मालश्री॥ मालजी॥ कालिकारुग
दिस्वविजयर॥ ०॥ चालसमालमालाः जा
नगर्कु थुलः सलसपिक यावमरजिः उयः
॥ १ ॥ थ्वकुमसनिल इ मः सिपिकिस्यामल

दामृजुनह्नन कृक्ष ॐ स्वति ॥ हगवनालः
वानः ऊगिति दक्वेमूनः ज्ञान दंइलपनम
स्वति जयः कालि ॥ २ ॥ मंजुकलोउमूकि
लिनाउमूहगुलिः ऊधनिविकनलयेति ॥
ज्ञाकक्षधनयनिः विद्धंदेशु हगानिः वनन
ः सनघगु ॐ स्वतिः जय ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रागो ॥ मालश्री ॥ तालजति ॥ हगावनि देह्ल
न्हविननटिकनूसो ॥ ध्रु ॥ मधूके ॐ नवनन्
क्ष ॐ खागुमस्यानाउः याक्षाउ जगानिदा
न ॥ देन्द्रादि देवगाधः मुनिजनपनिमध
गुमलपूः यालिपलेध्यानः हगावटि ॥ १ ॥
धूम्रविलोवधः वन्तुमन्त्रसहिटधः नकोः
विजयपाहि कोनाउ ॥ शुंगनिशुंग हरवस्य
नमहाक्षिकाउथाव्रः लदवेलपहगानदवेः
नाउः हगावटि ॥ २ ॥ हलनपाक्षीनामधा

॥ ७३ ॥

पापसतुवानंक्लिनंःमतालपाङ्किलउन्दाधया
न॥ क्रमायायमालक्लिदसियाउवालखः
पनिःभवमइगाकिङ्किविनाक्षःलगा॥ ३ ॥
कृमुदिनि दविनःहाउलपा [illegible] लाहाटि
क्षःस्वोमिसहिनगनखक्नाक॥ स्वगुलिलाक
याधनिःक्लिपालिपनसमनिःविहूनमूल
पवनदाक्षःलगावटि॥ ४ ॥ ॐ॥
रमारा॥ मालश्री॥ मालवी॥ लउलपउम्हः
कालिकादविःलउलपउम्हकालिकाः॥
मूटिक्षपनसनउयाउदनसक्षविहूनप
नगोलवालिकाःदविःलउल॥ १ ॥ उधेघ
लाउगसखनक्नाःलाःवन्द्रमाथिक्षखोल
या॥ सिलसलूमतुकःकउानक्कलथिकः
गालसमीलमालाकोरवायादविःलउल
प॥ २ ॥ थुनलपायलपालिपलजिरवः

९४

निनसमनतुसलपा॥ स्वनाउ ली हङिः मधमहसमनतंः मृठिहकासनसिउ अल पादेविःहजल॥ ३ ॥ स्वविसहमून गानूपनःङ्गाकलस्वलपूहयावटि॥व नतसवकस्वहूनेकनूछानःङयप्रका सनक्षहपगिदेविःहङ॥ ४ ॥ ॐ ॥ स्नोग॥ मालश्री॥ तालस्थ॥ कालिकाउ पनेनविहवःकालिकाङपरेनवि॥ह नटिशुननिपूःदेश्रुमादिहिनकाविङ विमालिनिदेविःकालि॥ १ ॥ वदनन विनसिःहालमछिमयदस्वनूशुनधानि नि॥ मदिहस्वविदानीनिःसिंहवादिहिसं गाङगिनिवर्थीकादेविःकालि॥ २ ॥ सवलनीपूकूलःङालसवड्नूःकलि गिविनेन्धीनि॥ कमकहे निमयःमू

[illegible]

२०२

गुधनिनि दैत्यनाशिनी कालिका देविः का
लीकाजयरोन्नवि ॥ ३ ॥ स्यपत्रघवास्नाइन
सकलः माऊमिलोमनिराति कें ॥ सकल॥
दाहिनिडुतिम हेंऊजिनिः देविजयाजय
देविकें देविः कालि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
राग ॥ मालश्री ॥ तालगात ॥ कनूनाकनी
य देवि· नारव हूः खवकजानिऊगाकऊघनि
॥ ऋ ॥ द ॐ खविदानिनि हगावनिमंगालका
लिनिजयबन्दीकें ॥ १ ॥ कनकमकूनः सि
लनकधरवविनसलिकनिनमाहिनी ॥ समा
कमानिक्षिन्नी हवनमंगालः जयबन्दीकेः
॥ २ ॥ मृनूक्षविलावनिः वालमकूदेंमन
हगानतेंजिनि ॥ खवजरवपनधानि· मृनूप
मः मंगालकालिः जय ॥ ३ ॥ ऊ यपनकोस
गुनः ओठियपनकोसहपः कुअगुघागन ओं ॥
सेखवनघहिनिसेः गुनकान· मंगालकालिः
जयबंदिकें ॥ ४ ॥ ॐ ॥

राग ॥ मालश्री ॥ ताल झटि ॥ जयकालि
काप्रावालिकाङ्कलपालजगतउधान
न ॥ ध्रु ॥ उवृत्तपायसमाक्षसतिलया
उसमधूर्जतुलिसाजगाद्विलयान ॥ माल
याम तुकसनः केउन ङ्कलसमाटि
यासलककयाउनःजयका ॥ १ ॥ ग
लसहनङ्कलःगजनउसाङ्कसःछालभ
टि कलहिक्षन ॥ खङ्गखपतनःसति
लदवृदवृःधनलपूपकालाछाभिन
नजयःकालि ॥ २ ॥ नृगालकृटिरथ
याक्षम्नाभिपूटिःह्लोलपनकुतुभिन
न ॥ नकेविजयानःसतुति द्वैयाः
जौरहक्षस्मयाहिङ्कभिननजयःकाः
लि ॥ ३ ॥ नृभिनलयैकनसनृभिउ
सक्ष्मयाः नयाक्षवृलिसहहनत्रे ॥ ह

पनिन्द्रयातिःमत्समनमक्षःसाउहरा
मिक्किधमनगङयःकालि ॥ ४ ॥ ॐ
रागः ॥ मालश्री ॥ मालङटि ॥ ङगलमा
माश्रीमुनपूर्णङराभकोप्रभिपालिमिः
॥ध॥ दक्षिनकुमातिःबामवृमायनिः
मुहमधविनाङिनि ॥ नागवाहिनि
खमेधानजिकलसमुङ्मालाधानिः
निःङगाक ॥ १ ॥ खपनेपाकनःघेठव
ङःसिलसमकुनविनाङनि ॥ मुस्मा
श्रीकासंगविनाङिनिःमुद्रमालाधान
निःङग ॥ २ ॥ थलबाधिनिःलरमान
निमृत्युनसकलसेहानिनि ॥ गमउत
ननपेकोःपिधिविनविक्रमकोःसदान
सानुमदायनिःङगाक ॥ ३ ॥ ॐ ॥

ङगलमालश्री ॥ ८ ॥

१०५

रागः ॥ मालश्री धनाश्री ॥ ताल लं ॥ सा सं धाव
पिस्याथ मन्त्र अजितनाथ ॥ ध्रु ॥ मृगाधिप
वाङ्किगाभि: याय मकी म्यानटि ॥ लकु मणि
दवि लजना: सी अजितनाथ ॥ १ ॥ कोमकी
धल्लाल मृदि: इनमनिम नटि ॥ म रवनाजि
श्री रवल योनाथ: सी अजि ॥ २ ॥ मा याम
ह्याप म्यास: मू विवकि झाल ॥ थका अं:
जि अधू कल याधाथ: सी अजि ॥ ३ ॥ वनम
मनमविअ: कनू नाक्लू पानि अ ॥ श्लाकम
याधाथ नघूनाथ: सी अजि ॥ ४ ॥ ०ं० ॥
रागः ॥ धनाश्री ॥ ताल वा ॥ दवो म्यानटि
हनिइ कं म्यारय ॥ ध्रु ॥ श्री जगां धाथ कंम्
नकिआ मंदू ॥ जनम रना खम्यान द्यमा
ना: दरवा ॥ १ ॥ श्रीपनना पनल: म्यातमी
मअे ॥ माअ नगनि माने: यह मधपुत्र:
दरवा ॥ २ ॥ ०ं० ॥

रागः॥ सुहवि॥ तालष्वं॥ लाउँछलायमून
हनगिनजात॥ ध्रु॥ नसछविष्कनाउँवो
छगुथामितः लाउँ॥ १॥ उँउँसववकनःतें
ख्वइलख्वउँरववस॥ गछउँनमूछइलगे
सयाउँसाः लाउँ॥ २॥ श्रीमहिन्द्रसिंहमा
उँसकेँकुम्हासाइल॥ उयानसउपकावः
याथकुँनसः लाउँन॥ ३॥ ०॥
रागः॥ सोमि॥ तालष्वं॥ पेकउँवननः
उनानउयनाउँ॥ हनिकेँलगाकुउधान
नसिकनः निथुउँटिसनाछ॥ १॥ हय
मिवननउगानउयनाउँ॥ सवनालि
निकेँउधानन्हिकनःनि॥ २॥ ०॥
रागः॥ सोमि॥ तालप्र॥ दानमक्ञानगी
ववमसूदान॥ ध्रु॥ घनरसाउगानक
उमाहेँःदानू॥ १॥ वउधिम्हानटिःवउ
उगापुउँ॥ वउउगानासिरसूउनन्हिपूउँः २

रागा ॥ मालवश्री ॥ ताल लं ॥ सकिता
वकनतउाटि नूपसाउभानदिवमाूतमि
॥ ध्रु ॥ तसिकवेपलकटि नूविपाःवेतः
धनकविवासहं ॥ देवदंथ्रुःदह्यदमा
दिसिवूतावनोःदिव ॥ १ ॥ नूमलकेम
लपनवोनाउंःनूकनवामत्रोहोवास
हे ॥ उयपनकासःशुउंवेसिउागालवे
नोःदिवमाूनटि ॥ २ ॥ ०॥ ॥

रागा ॥ मालवश्री ॥ तालवा ॥ हंकनू
नामयनूपःउंनयनशुगानेधानेःहंके
नूह्यामयनूप ॥ ध्रु ॥ सनसहस्रुहउंवह
नूपधानिपःवालवद्रुमनूनेख्वातिथ्व ॥
सफलावनिमाूउंनानादहोहोवाम ॥
नकियनूपमहायःहंकनू ॥ १ ॥ हंम
नूपमेयप·पमयाहिश्रीमां·वीनामनी
धुहुलनेहुनें ॥ ०ः० हहंसानमेहूख

रागः … ॥ ७ ॥

रागः … ॥ ८ ॥

वनदहि॥ मूकमवमनकोदासः हंक
नूक्षासयमूप॥ २ ॥ ०ैं॥
ॐ जगानसंसालयाङलजास्कमाजा
रागा॥ धनाश्री॥ मालश्री॥ मूामटियाय
क्लिबुवधा ०ै॥ ध्रु॥ गालमकेरवासनथा
लिधवनमालो॥ सोरवमवेकनबगुहें जं
धानः मूान॥ १॥ लूबुमनिसह्मलामाः
जजौरवडोमसे॥ मालमूदैरामनूनगागु
थाकः मूान॥ २॥ बुहुलमनुकेदेन
याब्वान॥ बलकिधिकुस्यनथोः मसखा
यापानः मूान॥ ३॥ जमूनायाकिजल
वाघसाजजाल॥ मूकिननवालखेरव
कूलयारवालः मान॥ ४॥ क्वाकमम
नफानियानक्लिपायाजोत्वामी॥ यापम
टिहुनकाजोड्डो जलिसमनिः मूात्रः
नियायकूबुवधा ०ै॥ ५॥ ०ैं॥

राग ॥ धनाश्री ॥ तालजति ॥ दशभुजामामं
दिलच्छ विहले ॥ ध्रु ॥ निनियाय थओंन
वनिलस ॥ नइनन वादिया ॥ १ ॥ यद्वि
थाठाहाटि नामः हमात्रि षापनिया ॥ मेू
नव काथ वहमयोःसू ॥ २ ॥ नइनदव विनः
वहनमखहनदिव ॥ ऊाताओसामागाया
नःसू ॥ ३ ॥ म्याओसदामाजनूकानिवेथ्व
॥ वउदिमवओनह्व नायाःस ॥ ४ ॥ मनद
सिकेप्रहनुमानिदनसके ॥ गादिवानिः
हाजकिपानःसू ॥ ५ ॥ ॐ ॥
राग ॥ रामेत्रि ॥ तालचौ ॥ नावोंचहम्ह्
नमोहामा ॥ ध्रु ॥ वसुदेवनन्दन·कंस
निखन्हुन ॥ मृदनिमनोहननमोरह्
नि रुना ॥ १ ॥ गानुद्रवाहनिह्मदनिखवपि
गनपानिनि ॥ श्रीदामोदरनकेनमोरह्
॥ २ ॥ माहागिनिथानिनिः रवकूलना

नन॥ पनमपूनरवमनमाश्हनिर॥ ३॥ क
हयम्पूईसहनिवयकुंथनायक लक्ष्मिना
थमनमाश्हनिश॥ ४ ॥ ॐ ॥
रनाग॥ गाउनि॥ कालवा॥ ज्ञानदिह्मनिल
उमयाय॥ धु॥ उगाकमणृष्टियाकमवः
मइक्ष्मिविशानै॥ पनमपुंडमदसनावन
इहिवंःज्ञा॥ १ ॥ क्षाकम्पयाकनमयुं
मायाउजिपनिया॥ क्ष्मिवनमनवामवि
उजनमसदाशःज्ञान॥ २ ॥ ॐ ॥
रनाग॥ गाउनि॥ काललं॥ उमनस्वनः
नयाहनेउभान॥ धु॥ कनूद्रिष्टिनस्व
उजगाकसंसालरवस॥ रगामिजमसिः
सयाहनेविवालःजम॥ १ ॥ क्षाकम्प
क्ष्मिदासेमजमायाउजिसदान॥ नमन
शुवासविउक्ष्मिपालियाधसःउमनः
स्वनसयाहनेउभान॥ २ ॥ ॐ ॥

रवागा ॥ वाउनि ॥ मालवा ॥ श्रीनगावाह्न
नन मोर ॥ ॐ ॥ मध्यइ उआलसमिंह वा
हन ॥ श्रीवेलोचनमनमोरवुध: श्रीनगा:
वानमनमोर ॥ १ ॥ पूर्वइ उआलस:हस्ति
वाहन ॥ श्रीमुक्ताकुमनिनमोरवुध:
श्रीनगा ॥ २ ॥ दक्षिणइ उआलसगुमेवा
वाहन ॥ श्रीतत्वसंलवनमोरवुधश्री
नगावा ॥ ३ ॥ पश्चिमइ उआलस:मयू
नवाहन ॥ श्रीमुमिमालवनमोरवुध
श्रीनगा ॥ ४ ॥ उत्तनइ उआलस:गानुड्र
वाहन ॥ श्रीमुमोघसिधिनमोरवुध:
श्रीनगा ॥ ५ ॥ कंद्दयरयानिगुनि:भ्रा
नटि जगाउ ॥ मैलोकेनाथकेनमोर
वुध:श्रीनगावानमेनमोर ॥ ६ ॥ ॐ ॥

श्रीनगावानमेनमोर ॥ १२ ॥

९१३

रागा॥ धनाश्री॥ तालप्रमा॥ यथाकदियः
कन्यानठिजागय॥ ध्रु॥ जहासरकोलग
निलुमान॥ बनहपं कजध्यानलुमाना
न१सनक्षलुमानःलुमननायाय॥ मू
ड्ंसम्यानजिक्लुकिन्यागय॥ २॥ मा
लेमिदंगोक्षःरवजजिवजागो॥ केसव
माधवहनिगुनगमाओ॥ ३॥ ॐ॥
रागा॥ मालश्रीधनाश्री॥ तालले॥ कोय
वाकविकुसिलिकवनन्यानजिःहामा
लोकनाथ॥ ध्रु॥ बन्द्रकोजिनजनूप
बोधिगयानसलिल॥ बनदधानिक
मलपाहिकनुहासयःनमोलोकना
थ॥ १॥ इन्द्रब्रह्मस्वसमुदनःसर्वलो
ककनिय॥ सर्वपापहइनेकनियःपुं
न्यवनदंःनमोलोक॥ २॥ ॐ॥

राग ॥ रूपालि ॥ ताल॰ लं ॥ ॥ श्रीसार्क
नाना नाम काउ. दक्ष पाप इठूं ॥ ध्रु ॥
हाद॰ छल पील्या. प्रगउन. स्यामवर्ण
रुस्य ॥ मूसहून क्लिलास्वस. तक्कगन न
ह्नापास्य ॥ सिनि ॥ १ ॥ मूह्र महालय. मनया
ना विद्या कर्म ॥ जगक्या मामरुस्य विद्या
कर्म छल पाल ॥ श्रीसार्क ॥ २ ॥ नेपाल याछ
त्रपति. श्री त्रिभुवनवीर ॥ ज्ञानमीनह्नी
सनया दान धमसक्ष्मा याउ ॥ श्री ॥ ३ ॥

राग



मारी यला जुयाले

(राग धनाश्री ॥ ताल जति ॥)

श्रीअन्नपूर्णा विश्वशान्ति यानाव बिज्याक ॥ ध्रु ॥
विश्वशान्ति ज्वीमा धैगु कामनानं भावयाना ॥
लक्षहोम कन्यापूजा अन्नदान पाठयाना ॥ वि॰ ॥१॥
दोलछिव न्हेन्यासाल भाद्रशुक्ल शनिअष्टमी ॥
नेपालया छत्रपति श्रीमहेन्द्र वीर देव ॥ वि॰ ॥२॥
ल्हाकह्लया पापदुःख फुतकाव बियेमाल ॥
विश्वयागु शान्तिफुना सुखशान्ति जुयमाल वि॰

थ्व होम कार्य छापास्वर्च ... अन्नपूर्णा प्रेस चन्दा ...

११५

रागः॥ धनाश्री ॥ ताल ओ॰॥ ॥ छादेः श्रीलंबोदर

के आरतियाय॥ ॐ॥ छादेः बा पुउन सरिलया बा

हानतिद्धुँगस्य॥ छादेः जगत ससिद्धी बिस्य

बिज्याकहल छल पोल॥ श्रीरंवे॥ ॥ छादेः ने

पालया छत्रपतिः श्री श्री भुवनबिर॥ छादेःल्हा

कलनल्हास्यतया दोन थासाक्षे मायावु॥ श्रीरी॥ र॥

राग॥ धनाश्री॥ आदि बुद्धनामकांसे आरतियाय॥

नमो बुद्धनाकास्य आरतीया॥ ध्रु॥ मालारथ राजपु

त्रमला सन्व नामदनः परयान उपकार बल॥ छादे

रसनालिन लवनाजंगलकुलसथ्यन २ व्याछ्रिनीया

मालक छरबना॥ आदिः॥ १॥ उधारयाय मनमायाद

ऋन्वलनीयः थवगजिक्यन विलः॥ छादेः धेदे २ धेकाथा

लवला विष्णुमहेस्वर २ आकासनस्वांवागाकाहल

॥ आदिः॥ २॥ भुवनमम दुर्जलकरुनायाथ निजलः

जयनमो बुद्धदेवथाल॥ छादः अज्ञानिनल्कास्यनपावि

नतिसदयानिवःकरजोरि महश्रविनतिः आदि बु

द्ध॥ ३॥ ॐ ॥

११८

मागवसंक	
रऋयकनुअमय	१
रनुयासखिनु	२
रमनक्षमगग्वा	३
रष्वउासखिका	४
रमिमसनःग्म	५
रकाउामाझाश्रीहि	६
रस्वामसंधन	७
रहेरमाधव	८
रनुगलसंविन	९
रहोगुलक्षिनल	१०

मागवसंक	
हेरकानुरा	११
मिधिदामागान	१२
मित्रिनिमनायिःग्वा	१३
हेमखिवसंकुस	१४
नुयाहायसिमि	१५
हेमखिवसकंबा	१६
मनक्षमगनोष्ठि	१७
ताउःपासाउास	१८
नुयाश्रीयमंदनि	१९

रागा ॥ वसं ॥ ताल थोमां ॥ उयकनूधा
मय ॐ सात: सनक्षवनन ॥ सक्षिदन
साधप्रलः सेसालसंउस्यधनि ॥ नथउा
उास्वलउानजसदनाउा ॥ उयंउयं:
विनेविसामंयन ॥ ० ॥ ॐ ॥
रागा ॥ वसं ॥ ताल थो ॥ नूयासस्विसुप
रुसहि नया नास्वय ॥ ध्रु ॥ श्रीपंचमि
या दउास नस्वनिमाउ ॥ हलविलउा:
सेसनरलाख्याथाख्यासलने:नूयास:
स्वि ॥ १ ॥ नाहमलायास्वाकेस्वाद्य:विये
रवक्षयाक ॥ सपनूरवमरवक्षाउा: उॐ
निथंदनने:नूया ॥ २ ॥ स्वालस्वाल
उाउावसन्के: घास थोल उाल ॥ स्वल २
सकललसक्ष: निउुउानूटिसहिलने:
नूया ॥ ३ ॥ नवल उुस्वनउल:निउु
केसउाल ॥ केकिलवास्वनदना:स

गमसँघालनः नुया ॥ ४ ॥ गुबालमिजाउ
स्वयःमुसमइथिन ॥ सहस्रामम जिअह्
यःवसँगवद्यालनः नुया ॥ ५ ॥ सकंगु
स्वपहलः मुँगाललपस ॥ कचहस्तिकम
इजिकः जोकसयाव्यालनः नुया ॥ ६ ॥
विवजनियाउक्किमः वसँगहलिस ॥ दा
सगलाधनमसः बिनामिसस्वउनः नु
या ॥ ७ ॥ श्रीरूपनरेन्द्रमल्लः धपमसदान
॥ सवलयागुसउमः जवाकउधानन्तः नु
यासखिगुपकस ॥ ८ ॥ ० ॥
स्नान ॥ बलि ॥ कालसं ॥ सखिजिमसन
मर्गनाकूमिनच्वङ याकाय ॥ ४ ॥ ह्व
घसमइजाक्लिगुंधनकूङगुटिसासन
गुस्वपद्मजमाका ॥ कून्यगाकेनामह्ः
जःनसहहँ यकँसउ ॥ मिपमिउल

सिकलगाकमभक्षासरिवःमन ॥ १ ॥
त्वसिकलमित्वावानःक्लिलाउन्वेहुँउ
सःसाहलपुउहुँनिथांकन ॥ थित्रनम
वावथाहःनूगालसउाहुध्वान ॥ वायमा
लिउाधकायथाकमथुक्षासरिवःमनक्ष
॥ २ ॥ उायाउाजिवानाथासःथ्वसलल
नूदसःहनकलस्वाक्षनस्वाक ॥ थथि
थमिउनसाय्लायथाहलनलाय ॥
जिउाहनुमलउानयाकमनासरिवः
मन ॥ ३ ॥ उात्रमयाहलङलःकाव्रमः
समिसानउाःहतिङथासवकानक्षाक
॥ साग्लिलाकयाधनिःपुत्ररवदक्कस
मक्षि ॥ पूंनयाहलमलाकमगनास
रिवःमथन ॥ ४ ॥ ०ि ॥

रागा ॥ वसंत ॥ तालचा ॥ साउँसखि
कानुइबानुप ॥ ध्रु ॥ वंपास्वान्याउनु
वाहानः दोलांगिविपनवन ॥ सेंखकुं
दस्वल्ह ल्हु पः मृनिपुष्ठ लाकनः स्वउ
स ॥ १ ॥ पनवन्यास्वाव्हलसनः दउल
ह्याउ ॥ लुपलियामृहिस्वनाः उीहः
वहपिकनः स्व ॥ २ ॥ हानजनपुनिस
ननः दअलउलाउ ॥ धुलकमृदगाथ
सः नसहामहालनः व्व ॥ ३ ॥ गानुद्रषा
क्ष्याबासनः ह्वागुहाक्षिनाउ ॥ सोस
घकुस्वयमगमकः कानुइयानुपनः
सा ॥ ४ ॥ ह्लाकम्भगालह्ठमहानः उाः
सयासउअहा ॥ ह्लिपालिनियायाकस
विउजिनवासनः साउ ॥ ५ ॥ ॐ ॥

(साउँसखिकानु ॥

॥ २ ॥

१२१

रक्तागावसंत ॥ कालमूर्छना ॥ हिम
सप्तसहावितः वादाहनक्रधान ॥
धूसामनमानिनिः ज्ञानन्दह हूंः इ
र्पनीदविमलपूत ॥ १ ॥ ॐ ॥
रक्ता ॥ वसंत ॥ कालप्रमा ॥ काउमाः
गाश्री हिमसक्षः विउववगाम ॥ क
कारमसंद हूं वक्षः वासदलथवम
तरवनाउजिसक्षसमूधिमाद ॥ गधि
नक्रविधमकादघलकलउवासक्षः ठ
दयाजि उ हूं निसहाउः का ॥ १ ॥ वः
लासहाह्वाउमनइरवयारवलूसनि
उः क्रक्रक्राधामालमपताक्ष ॥ ऊन
मह्रप्रजीउत्तः मकनामायाक्षकेनः
क्रनैमहठनयाउसगुदः का ॥ २ ॥
टयदासगुयान नयपवमसयाट

थओकनमसमहिनाओ ॥ ओंकुवयाप्रि
दयाधः हनरविनमइजधनयाथ्वसः
ढनयाधँदाधःको ॥ ३ ॥ नपथ्वाध
यायमनःदयाजह्नयाय्यजिमःथओक
नमसमदयाज ॥ दयवँहुँलसाध
धनसहुमधकसःनयाथ्वमढनयाधँ
दानःको ॥ ४ ॥ पसँकमखयाजिनःदः
यवँहुकालपाओःह्याथ्वजिराया
गुमिन ॥ वनिजालजनैसःरललपाह
यामधःमइथनिजनधाउपायःको ॥ ५ ॥
॥ पथ्वयाधाजननधमजिओदाको
यजिघःलसवुओघासथ्वढघ ॥ ल
सहिहुहिलमनःजोधनिहालथ्वढ
नःसानिलजिङ्काऱ्ह्कियाथिनःको
॥ ६ ॥ ख्वँमावायजनमसःजनमा
विन्हलपानःसपनसखनाथ्वजि

मथ ॥ हृदयकुच्छसम वाथः क्वमातसे
मूनिचुलः थ्वसँमाल मूथियनसियाः
ओः कासो ॥ १ ॥ ऋगानसँमालथः शुम
लपाछीनिमसेथः थ्वऋगासमइच्छिवी
धानँ ॥ ज्ञाकम्मयाविषनिसः निस्मदि
नच्छिवनेन मल क्रियाकनूधादया
नः कासो गाजा ॥ ८ ॥ ॐ ॥
राग ॥ वसन्त ॥ तालथो ॥ श्यामशुंध
नवसँनवलसः माधाओक्षिनलओ
न ॥ ध्रु ॥ विंद्यावधसवाऋनथानाओ
॥ कनमकालनः मृदंगाधलकदापा
हिवनधयानाः ऊँमनमसनाः घानाव
नरवऋनिः माधाओ ॥ १ ॥ स्वपिऋथ
पनिऋलमहाओ ॥ वेंचलवसालन
पूयाओः उपँगाकनधनक्वकूलि॰सिं
हसँख॰हनिपागम॰वाशुनिः माधा ॥

॥ २ ॥ वृआवन्दन मृविनहोलाउ ॥
थिरङनेकयाउनःङ्गिलाउःहोला
उःहोयकाकाङ्कइनसप्तविष्काक
ङ्काकङ्कयाम्नासाङ्कोयालिःनाधउ
ङ्किनलउन ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रवाया ॥ वसंत ॥ तालप्र ॥ हंहं माधवः
विपसनन्नूगलयाधाल ॥ छ ॥ मिलस
मनुकलूयावदमालाहाङ्करवायाःम
थूनासविष्काकहुंनाया ॥ कंसनिया
नेनाजाउश्रीरवन्दनस्वाकङ्कयामद
नलाप्रहङजिकंमायाःपिनटिनन
मालःहर ॥ १ ॥ नङ्कजाउङउरल
याःसलहंनङ्कविलयाःथथिलवः
लसजियाया ॥ वसपूलसलसलका
याहयाथ्वहंनाइयाःङ्कयङ्कल
मिनहंमनयाःपिनटि ॥ २ ॥ व

॥ १ ॥ दशश्रृंगार

धवनहिलाङमाकथधाकउमवायाः
उवलसलालपमह्याया ॥ मूधाथन ह्मा
समयाबिनुङलवसेनयाः विधाकिङ्ट्
नमूवलायाः पिनदि ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रमागा ॥ वसँन ॥ कालले ॥ नूगलसवोन
हयामिङ्ग उमनउध ॥ ङ ॥ उमउघः
धस्वाकजिमनउ ॐ निकःथथिधावल
सउनयाके ॥ उमपनद्द सलाकः ओन
धदकेजिह्रक ॥ मूनगाकानध्यविकउ
सनसिनद्द उआकः नूगल ॥ १ ॥ कालके
सेह्रयाजिधसिस्वापिसोआकललनः मूको
धसेकेनाउमिउन ॥ सललसनसह्रजिः
नः मिस्वाबासबाधथ्वद्दधा ॥ उमसु
धलसनाउदहलपूविनहनः नूगोः
॥ २ ॥ बाङ्कसम्कगसस्वनाः ह्रुललनजि
पिले च्यानाः उपदधास्वयानसस्वनाः

॥ धूधुलिविनस्वक्षमालमपत्रानयामा ॥
हृयथ्विधिनजयास्याःनासयानामकाले
थानाःनूरा ॥ ३ ॥ क्लाकस्मनूपनाधिन
थानाक्तिज्जस्मयानूमालखेलापिसवक
छानाल ॥ जयपनबासधनिःनिपक्तिद
बासमनि ॥ द जलश्रुन जउ निश्चुंधनज
धूपतिःमूगलसे ॥ ४ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ वसंत ॥ तालवी ॥ हागुलप्कि
नलकानूःहागुलप्किनल ॥ सीसवखी
पनिसिक्षःछालापूनवाउकानूःवसन
ह्रिन्दावबमस्हागुनप्किनल ॥ १ ॥ नूवि
तनूनेगजालःपासलक्षस्वेन ॥ थि२
क्ममिथाउपासास्मन मिलकानूत
सयविन्दावनस ॥ २ ॥ श्रीखेलकेस
निब्रुउअःमूनवधसेल्ल ॥ विकनप्कपु

॥ ४० ॥

खुलिमः पलख्वाक्ष दोलकानुः नसनवि
त्रा ॥ ३ ॥ वाजलयासव दक्षत्री ह्वनक्ल
॥ ह्मा वाङ्म कनुभा वामः थ्वयल मिकल
काङ्कः नसक्षविन्द्राव ॥ ४ ॥ ॐ ॥
ख्वात ॥ वसन्क ॥ कालप्र ॥ ह्यकानुइः
क्वा ह्न जिउ मुला याथान ॥ ध्व ॥ मसया
ह्गासन उथाथनकानउक्षःपनमन
थ्विंऽत्र उनिहाल ॥ छ्वपककलिजिउहा
नथायमनछ्विनः उपमाहिथनवानंवा
नः वीक्षजि दंनमाल ॥ १ ॥ सहनयाघा
नस· ग्नुनगाउपूलमः लाउनमक्षसम
छ्वला ॥ मनसनमूवलाउ· लवानस
गमालाउः नूलइलमहिक्षउवानःवी
क्षजि ॥ २ ॥ पनयाजिनियाथन· खुयन
नवांउाननः दिक्ष रथुगुलिवसाल ॥

॥ ९ ॥

साउललउानथाल-मवमडुमृउासलल
मृक्षयायनिक्षसमधान:विन ॥ ३ ॥
हास्व नमल्लयाववमंढनाउाङ्कन:
कालकिउामहयाविकाल ॥ नमयाव
ममउामहउानिससमयमवमयाउ
नमक्षवपाल:विननि ॥ ४ ॥ ॐ ॥
नाग ॥ वमन्ने ॥ बालप्र ॥ मिधिदाकाग
हपकिसिधिहललविउा ॥ ॐ ॥ मिलम
मनुकलयाःवन्द्रकलाकिक्ष उामनूप
मदकममान ॥ पत्रगुऊपमाला:दन
हस्वमालाक:सामक्षनुसीयमृकिया
न:मि ॥ १ ॥ घीगलाहालमकिसामनि
धूमनयाःहालममाहलीयाउा ॥ था
नयावाहकिम:गमाकिह्रक्षमयाम:
क्ष्वमनजुस्वयदमगाक:मि ॥ २ ॥ था

थपर्मिं विच्छानाउः मैसालथरुजलपु
चिधिह्लला उरथाथ॥ मैसालयालिउ
सिसमा हयानृपकमः सासथहुल्वयपु
टियानःसि॥ ३ ॥ नियालयाछ्रुपलि
गुनेन्द्रदेवपनिः मैसालयाधहिजासपनि
॥ ह्लाकक्षयाविथनिः ङ्क माह्रु सननपनि
मैसाल ऽ धाननयाकपनिःसि॥ ४ ॥ ॐ
रागा॥ वसन्त॥ ताल चोमी॥ श्रिविश्वि
श्वनाथ महेश्वरनः नन्दीशिंदीमूथकाः
जो॥ रुजथया छ्रुपनिः नसनविच्छाः
क॥ वसेनया निकुह्रुलमक्षस उयास
॥ ह्ला २ दः जयंरकाविश्वनाथः॥ ॐ ॥
रागा॥ वसन्त॥ तालजाउ॥ हेसखिवसं
तसेह्रुलथउामथमा ह्रुदास॥ ध्रु ॥ मिवा
लजाउमिमासः वृसंदनाउलघासः
सासथसदलजिकमास॥ निह्लिलजिह्रु

लवासः याकामजिजलवासः खविवाल
उवालमिखासः हसखि ॥ १ ॥ खसमया
वस्तुमासः रुम उलपत्रकासः महिसर्जी
मूवलायाथास ॥ खवत्रवकिलसले
नमझयजिउदासः ह्नाज़पमक्षयाम
मासः हसखि ॥ २ ॥ उमदिलमथूमासः
जिमिमल्यासमिसामः लमक्षाउस्वयः
जिह्नास ॥ यहामडुजमूदासः उता
उङ्काय ॐनासदि ॐ उमूधमतासः ह
सखि ॥ ३ ॥ मखेमयमूवित्वासः मिउम
लयपालिलियासः पूनझयूउखहृनमू
ला ॥ ध्मामबाउ उमसमया डुखदक्षया
उनासः ह्लाकमन्नवपालरुयादासः ह
सखिवमन्नमसझल ॥ ४ ॥ ॐ ॥

रागा ॥ वसन्त ॥ ताल लं ॥ नूख्वास्वयसि
जिसदाविनतियानास्वेय ॥ छ ॥ नूहगु
ठिइलमाथदिः वोथ्याइस्वस्वयमदना
निःसंग्रामदहानेइलथनि ॥ पिकाधाय
गाथिनखिनः सस्वमंमालवसन्तल ॥ थः
निकामदेवयावलक्षकेथ्वपूननूया
नकेंहेइः नूयाहा ॥ १ ॥ स्वम्हगेउकेंहे
सहः वेथ्याइस्वहेँदउनः कपसियाहे
गयाकउन ॥ सिजिथिदशुंधलिहयः
मइउालहवदास ॥ सिजिस्वम्हयानूप
स्वनिः जवाकमाहिनिकेंहेइः नूयाहा
॥ २ ॥ ह्मायप्रहमाउवूमानः जोउकोः
गमालकाउः ह्मायनिनंउदवनसवि
ह्मायमाल ॥ उपूनूस्वशुंधनदयम
इउालेहवदास ॥ सिजिस्वम्हनः थ्यम्ह
धायः उाह्मम्हगस्वउनकेंहेइः नू

॥ ५८ ॥ [illegible]

१३२

याहा ॥ ३ ॥ नानाकंवाहमलानसः क्षिकंः
धकाउयाथसः मूनितुमाहाइयानः
विष्काक ॥ वियामूदिकालथसः ञेत्र
मादिसानेमथास ॥ मिदंगावहनिथ
सानाटकतक्ष्मिननेकेदेइः नूयाहाय
॥ ४ ॥ नदिवसविजाक्षिसः मूमहेमक्षि
लाकउः जिपविरवनाजानसेदज ॥ थ
थ्यवानाहमजिलेदयः जमपाल्याथ
सजन ॥ ल्वावाकायकेः घमपूमानिः
लवयदेथनेनूकेदेइः नूयाहा ॥ ५ ॥
वाष्विम्रजुमिमायाङ्कतवसलपादिल
जमः क्वायनिनेजसवनेसविष्काथमा
ल ॥ मूपूनवजुंधनिदयः जामेउालज
उसम ॥ थपिनूपः जउलहावाथ्यजना
कथ्यनकेदेइः नूयाहय ॥ ६ ॥ माउ
नाथ्यवायथाक्षिः नापिंलेष्काइलथमि

पृलिनयामुगमनाया॥ गाधिनृपगया
थ्वनिम्ह्रिधनृपरुलथहि॥ गमयाल्वाम
जिलमविरवदपृमानायाकेहेरुःनृया
स्ता॥ १ ॥ हायरमेतियारवःसपथ्यासम
रवनाथ्यःथथ्यरथ्वयकाजङ्‌गमनाया
॥ मजरसहम्रुविहोनिःमिसोगदिसाम्नि
मृदि॥ विगनृपःक्नायायाथ्वेपनतेन
रुपमालकेहेरुःनृयाहा॥ ८ ॥ विश्व
मिथकुमारुसःसाकेसिंहनृहिमनदि
वनृपयाहागविच्छाक॥ थिथिमृरवङ्‌
सस्वेसम्लानन्दरुलयाथहि॥ गमपृक्ता
याल्हयाहलनःसर्गमानारुपृकेहेरुः
नृया॥ २ ॥ गजनृथ्यानृजपृतःथ्वयालि
मलवृथ्याकनःविक्तान्केसममलरवकन
॥ त्रिपनिगोरुपथिनगोमारुप्रकासमलः
॥ धयाथामःमृवसेक्षैमीधरुलरवगन

रागा ॥ वसन्त ॥ तालगात ॥ हे सखि वसन्त
या मिनु झुलमदम उमाप ॥ ध्रु ॥ मधमास्वं
नपिदः मदनु मवदिनः ज्ञापलपूमुन
नाल मिदं ॥ कोकिल पंगाल काल: मदमउ
काष दनः थिनमववा नविलु मदः हे सखि:
॥ १ ॥ सिवाल ज्ञाग मिमासः दानानं वास्वा
दावाम: देम वानस्व ताननिमास ॥ धम्वा
नमावामदा नः तवलविलापदमः उनु
उमझुलवदाम: हे सखि ॥ २ ॥ कन्दुयाः
दिनया वामः दाया ज्ञाथ्व वमसः नटिं
मझुल ज्ञावलम ॥ गोपिदश्च ज्ञन खवसः
कामनु ज्ञादिक्षमः तगाजिनयानाज्ञाश्च
श्चामाः हे सखि ॥ ३ ॥ पूनुव या धनमदः
लानाजिनकुपवानः ज्ञनमसा कुल झुज्ञा
थनि ॥ ज्ञायमकुथ्वसवाद: ज्ञाश्चयागु:

॥ हे सखि वसन्त ॥ ७८ ॥

१३५

धाख्व याना: मल्ल क्क पाजि छ्ध स्व नाधा:
हस खिव वसन्त ॥ ४ ॥ ॐ ॥
राग ॥ वसन्त ॥ तालले ॥ मदानमम नाछि
थुंधत्र पूस्व मधि ॥ ध्रु ॥ जिपनि मूवलाजा:
निममि याछि पालि पनि ॥ दन्न सदवि ओ:
हनि सागुलि ला कयाध: मदानमम ॥ १ ॥
छि छि छियाना ओ जि वं कं नूधाम इला जिवं
गु मसा ओ स्वा दा ओ जि इल यो प्र कुथ नि: मद
न ॥ २ ॥ नाथे दाथ्व दिन हन नाद ओ नगानथ्व
न ॥ नाथ्थ्व पमान हनै: झीगु गु जिमा ल ओ
नै: मनदा ॥ ३ ॥ जिनि याविपजि मृदि: विय
मञ्जु रधूपजि ॥ ह्लाकम्ह याथ्व विदा जि: लस्व
लपिपापिपनि: मदान ॥ ४ ॥ ॐ ॥
राग ॥ वसन्त ॥ तालवी ॥ साओ पामा ओ सया
गुबुगु पले स्वान ऊमम इल ॥ ध्रु ॥ पूस्व:

लियापकुलमनः पुष्कधानपाल ॥ मुडना
मनत्ष्ठेलोबनः सिंहसाहाइननः खोऽया
सा ॥ १ ॥ हनु नुनहं दललमनः बाङनथ
मोऽा ॥ बैसाखिनगाजसः शुभंमलङल्ल
नः खोऽयासा ॥ २ ॥ प्रमियालपालु साकं
सिंहमूर्लि ॥ ठपालयाछत्रपतिः शुभन्द्र
विक्रमनः स्वारदखोऽा ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रनाया ॥ वसन्त ॥ मालवी ॥ नृपप्रियमः
दनिमालिनपावनसऽान ॥ छ ॥ सिविः
माजायाकायमआमविस्वन्तन ॥ मायाद
छमालकाऽः नपावक्ष्मसऽमनः नृपाः
॥ १ ॥ थऽपुत्रनाउकुमानः पुत्रीन्कछः
सिलि ॥ माहानानिसहि टल्मः नपावम
सऽाननः नृपा ॥ २ ॥ दखलोकविन
हमः खोसलिसऽाल ॥ दउलपदर्व
वियाः लोकवृमसयाननः नृ ॥ ३ ॥

नथसजा जलथा नया: सल दाक्ष थाय ॥ मि
मावहथा मिगाउथा: नथ ह्याकेयननः
नुथा ॥ ८ ॥ नथ दाक्ष थाय धुनः पुत्र दाल:
कोसिंहिय ॥ नुथा नाक्षिनाज कुमानि:प
र्हमालाथनन: नुथा ॥ ज ॥ स्वामहलव
नथा स्वला: स्वउनानिक्ष किलसल ॥
जथनमावृक्षयागु: जपकपयाथन: नु
था प्रियमन्द निनानि ॥ ७ ॥ ॐ ॥
रागु ॥ विहाग ॥ तालतं ॥ प्रियचलो ॐ स्व
निहलकने ॥ पदमपदानथक्ष: मक्षकेनो
ताउं: नहिनहियमनिसाल: प्रियवला
॥ १ ॥ ननपटि ताउंकनुने द्रुविक्रम:
माह ॥ नहिनहियमनिमाल: प्रियव:
लो: स्वनितउक्षकनं ॥ २ ॥ ॐ ॥

रागविभास॥तालजति॥६॥ हरिभगवाननामक कोजमदान॥

राग॥विभास॥तालजति॥प्रहमत्रि॥ प्राणनाथलं छ्वत्रियपोलायलय॥धुं॥ म्वहमकैसेप्राननरधत्रियलाय॥२ ॥प्रह॥ १ ॥मैमूनात्रि मूहृकै पियात्रि कालापाउ॥मूवेदमप्राननाथनरका लादनसधपाउः प्रह॥ २ ॥मालाना ऊमानिवृत कनूथवकेनाळ॥मा यामवछोदि कैमेर ... दिथमूहू कैसनिलः॥प्रह॥ ३ ॥ ० ॥ ०

नागश्री॥ताल लं॥ लोकनाथयाहृनं धान ॥धर॥ अगुनयाउनजुस्या:अमृताल: सिलेन ओल यवनदान। विस्य।।॥ अनाथ याथ जुस्य.अमोधपासजोस आसान ऊयाजि ओनाथ॥लोकं॥ १॥

१२५

कनकमनुकसमनककनकिस्वा
नकयनसकनकंलि॥कळनामय
नेंकरूनानिधमनेंकरूनानस्वउजि
नेंनानें॥२॥लोक॥मनिमया।नि
ला।हिलमनउनेंगंगाशि कःमनिम
याहालनेंनियाउः॥ माकेदमना
पनेंमनयास्वरूपःमनयथपूनेया
यमालल॥लोक॥३॥सेंधनसुलक्षु
नसंजुगुनस्वलायमानःसुरवावनेरवन
यानाथ॥स्वउंपुरउवयससादे
स्किगयाउ।सुरवावनिवानायनमाल
लोकनाथ॥४॥नसनहनस्वन
लालिनापुनसनधसदनाउंविस्या
क॥नसगजनमनसालया।गुध
।निसुगेंडविक्रमसाहादवलोकना
थः॥५॥ ० ॥ ॥ ॥ ॥

	मेपु ल्या	
२कनमसंबास	१	भगवान् यौनाम
२हनिरमरयमय	२	लौ कयानाथ- दौमी
२निऊयवजाॐ	३	कवीलास · ग्वारा
२ऊयमिनिसानेनि	४	की ताजी तन मारो
२लावदतऊलप	५	नुयो रानी इस्वरीया
२गुंधनिमनक्कन	६	सा केसीं हराज कुमार · सर्बा
२कनियप्यानि	७	प्रभुमे रीस वर्धि सिद्ध
२दलेंवादननाऊ	८	
२कलिविन्	९	
२गैलोकंनायमं. स्व	१०	
२नमारदविन्नी. मेंन	११	
२गुंधनिकंनाउंमि	१२	
२उभवःविउाऊिम	१३	
२ऊयनायसर	१४	
२दवरपनसा	१५	
२ऊ यनमा · हानेनि	१६	

रागा ॥ मालूअ ॥ नालले ॥ कनमसंवासद
लगुविदलपमालपथकिङागिझयादसीक
नऊान ॥ ध्रु ॥ किजाइर्म्मकूमयाक२माऊया
लुलालाविय ॥ मामयाकेवलाछानः गुड्र
समामालऊानः ओगि ॥ १ ॥ विहकिलक्षत
वुल२यपूऊमकधकिय ॥ ओगिसूपकया
ऊः गुदसेमालेऊानः ओगि ॥ २ ॥ लोक
माथ्यानामकोम२कंछकूमदमसाम ॥
स्वायरजिपियानिः गुड्रसनामालेऊानः
ओगि ॥ ३ ॥ ज्ञाकक्षमूखाथजनः लोक
नाथयावनहोम ॥ धऊानवालालपाजः
यऊागुरवावटिथनक ॥ विनहहविदं
सजिऊान ॥ ४ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ मालूऊ ॥ नालेहमा ॥ हनि२गाध
कयधुगुलिपमाह ॥ ध्रु ॥ साजयाऊक्तिनाऊा
वाहमेन्मुँहाँरवक्षयपनिऊवाजाऊानः

॥ १ ॥ [illegible] ॥ २ ॥ [illegible]

मुरादवनसदलाय्पनाथनयाहमओः हनी
हनि ॥ १ ॥ रघाल वन्द्रनाथलिदायपलहल
मिस्वानस्व ॐ ओङ्किलाय ॥ विलुविप
महजिदाओमिलू मनाओः हनिर ॥ २ ॥
माटिमानिकःपूनाओनयानूपः हल
दापालिसह्मानाओन ॥ वसदारु ॐ ओ
लूमधिओलनाक्षः हनिर ॥ ३ ॥ ह्ला
कम्ह्याप्रहरगापालसुथनः सैसाल
सालवस्वाद ॥ ह्मिसलाओदः ना
पली ॐ ओननाक्षः हनिर ४ ॥ ॐ
रनारारोतिसानरी ॥ नालपलिमा
निजघनजा ॐ वलालाधिनरधा
ओ ॥ नाहागायेमहन नहुः हनस्वि
कधाओ ॥ १ ॥ जुनेन्द्र विक्रमनाह
नूपगुहागमसो ॥ मनतमनलनिरहमगृ
हजाय ॥ २ ॥ ॐ ॥

रगाग ॥ माम कलि ॥ नाल जदि ॥ जयसिनि:
हान किथम दवि: विष्णाक दजिसव्विया
जान ॥ जउाम धनलाइ: खउाम धसमेइ
विष्णाकमृणु द्ध्रणक्कि लाजान: जय ॥ १ ॥
जउाम लाका लाइ: खउाम लाटिमेइ: ज
उाम उमर्सिं लाइ ध्वाङ्कन ॥ मृटि यादालन
किमे: गाल समाल पालाः मिलसव त्रुमा
ह्मदाजान: जय ॥ २ ॥ लाउदालिकग्क
थावनद हुगुलि याः जोमाजो: खननापा कन
न ॥ कदि तुनजया ष्रजउास ष्रयाः स्वनल
मिरवानृकिथिकन: जय ॥ ३ ॥ नगाकिज
दाश्रयाः गैजः द्दनकिइरव दक्षेब्बद्द
नकनृ धामिरवोनन ॥ ह्विपालि-ह्वि दा
सयाःत्रुनि त्तमदानाज-याहृ नजग
कउधानन: जय ॥ ४ ॥ ०ꣳ ॥

॥ ९ ॥ [illegible] ॥

रमागा॥ श्रीसाविनि॥ गाल वो॥ भावमहउल
पविनीविमूदानर्ग॥ ध्रु॥ वानूउवासानग
स॰ रवउसलक्ष्ठिमिनसे॰ नित्रउमिक्ष्या:
वासान॥ क्षसरवायापाठ ह्नु मा: मनुकन
कनथुम॰ ङ्गसीसकुद्युलसी गाथान: भावन
॥ १ ॥ मिरवापूलिदलवाक्षा:लमिक श्रुति
कथान॰ मोह पूज गाद्गुरवनाठ॥ छ्रु क्षनि
क्षइसी: हनि हन नृपसी: विष्णाकसीकन:
ङाभाङा: भावन॥ २॥ ह्नकलइनङक्ष:
लखलपूसाधु ङक्ष: जियकलधनमदया:
न॥ हनधनसमूद: जुनविनयामादन:
नृपकिमया ह्नेनिदान॥ भावमनङ
लयविनीवीमूदानर्न॥ ३॥ ॐ॥

२नाग ॥ विहाग ॥ मालश्री ॥ शुन्दनिमर्भ
छगविलंगमकंयाय ॥ ध्रु ॥ छनन्पकं
उलह्ला·रवनाउजिमाहला ॥ पितलिगिंया
नारवउमिठंउनिदाहः सुंदनि ॥ १ ॥
हनयायमकंछन·पूतरवउगुमान ॥ नाः
जिन्द्रपृथ्वीनानायक्षः शुन्दनिमर्भ छगवि
लंगयाय ॥ २ ॥ ॐ ॥
२नाग ॥ विहांगना ॥ मालश्री ॥ कनियप्यानिनः
जिनमदं ॥ ध्रु ॥ सुहा२प्राणपियानिकछुंह
मकहं ॥ नाजकाजश्रादियकं·मनममनिहालमः
कनिय ॥ १ ॥ सिवपूनिमाला·नृपगुणनामधे
॥ पनजलकाहिनहिसंगमनिमाथः कनिय
पियानिजनिजमदं ॥ २ ॥ ॐ ॥

२कनियप्यानि ॥ ७ ॥ शुन्दनिमर्भ ॥ ८ ॥

रनाग॥ वलादि॥ मालप्र॥ हंलैवादन:
नाऊयामनमो॥ थ्र॥ सामथसोयेमाहका
यापूलमिक॥ मूनगथ्र सुमाथ्थिनूपथिक:
हंलै॥ १॥ गाऊ मिखा बाहाथ दकेनथ्वली
लाक॥ आनन्दनगया ऊमूखिक: हेरं॥ २॥
ऊना गऊपमाल्ला:पनगु खदरा॥ विघथ
हननयानाऊ: हंनै॥ ३॥ धेगलाहालम:
जिसामनिमाजिक॥ हिसिकयाऊनसमगु
क: हंनै॥ ४॥ रगानऊथआमनसापूह
याक॥ ऊसथामेकयानमगाक: हंनै:
॥ ५॥ ऊमसिद्रिवललायला ऊठानक
॥ नसठविलगुखलाय: हंनै॥ ६॥
रनाग॥ मंगल॥ मालगाउ॥ कलिविनू
किक.नवमत्र॥ निमिवीनूकिक.नवगु
न॥ १॥ मोनिकगामनं.मूपनाध्य॥ ना
धाविनूकिक.नमूपनाध्य॥ २॥ धनूवि

नृकिकनमूवनाव लक्षुविनृकिकः
नध्वकूमान ॥ ७ ॥ पत्रकापमल्लनिपला
न ॥ ३ निकंवव्रक्षपत्रमान ॥ ४ ॐ ॥
१नाग ॥ नाऊविजय ॥ काल ॥ डोमाँ ॥ हादः
त्रैलोक्यनाथ श्रीमूनपूर्णा· १थ्वेकवननप्रका
स ॥ कलसनृपि‍नि‍ दविऊहानि· सकाडानि
उध्वनिनि ॥ समइः स्वकाननि· दहोव
गुवर्ग हलदाका ॥ हादः· श्री आगांवन
सनदवनन ॥ ॐ ॥ ❀ ॥ ॐ ॥
१नाग ॥ नाऊविजय ॥ कालबोमाँ ॥ हा
दः नमा१दविनिनिमूनपूर्णा ॥ ध्रु ॥ लँः
ऊगाकमोहिनिमाका· निनिलूसपूर्णा ॥ ग्र ॥
वद्रकोटिकऊपल १ ऊमः दविहेवानि
निनिमूनपूर्णा ॥ वोगलसथरवासनलः
नवमिलमाल ॥ लै ॥ निलसमगुकेल
मा

पि

याः दलमाटिकः नमोरदं विश्रीमुंनपूर्णः

॥ १ ॥ त्रेक्षाविष्णुमहस्वन ॐ त्रेसहितन

॥ प्र ॥ माश्रीकागदमून रकाॐः दविलवा

मिमितिमूलपूर्ण ॥ बा ॥ दालमाहनन:

वस्तुमृटिवितालाक ॥ ले ॥ द ॐ श्रेसंहा

नयाम· विद्याकनमस्यःनमोरदं ॥ २ ॥

क्षाकम्रमूलाथमिस· याद्र नेउधान ॥ प्र

गतिपरवनोऊछिन रलउः दविलवानी

मितिऊमांवन ॥ बा ॥ लपटि· श्रीलवसया:

ऊक्षमयानुधान ॥ ले ॥ नगान उधानया:

म· मानन्वनविद्याकः नमोरदं विमिनी

मुंनपूर्ण ॥ ३ ॥ ॐ ॥

रमोग ॥ पहलिया ॥ नालप्र ॥ त्रेधमिक्रम

ऊ· मनमिमाऊस कोन्नीयुनिनगान:

॥ क्र ॥ नलज ॐ स्वनिपशुपनि· गुयलव

१७९ ॥ अम्बिकाद्वये

ति ॥ पञ्चलिन ॐ नव · सनाक्षविक · नस
क्षकुमाति: ग्रंथ ॥ १ ॥ व्याग्रुलिपिथया:
मिग्रुलिक्षादिया · दथूसम्नृटिलिनवान:
॥ ग्रुबाल · सग्रुवग्रु · शृादिक्षानीयन ॥ दे
वन उसेव्यानपूंनहृमियाथाक्ष: नसन
॥ २ ॥ ओगयासोलन · कूलन · थनम
क्ष · दानवगुलि जक्षया ॥ दे ओयालज:
नासह्देओप्याखवक्षस ॥ वसलपू · ग्रुनि
जक्ष · कविनेक्ष्मि कनसन: ॥ ३ ॥ ॐ ॥
रागा ॥ व्याहागिना ॥ कालप्र ॥ उधवविओ:
जिम्हिमउपदेस ॥ ध्रु ॥ ओमयामिनद
ग्रुल: ग्रुलिकलमनेजिल ॥ समालपाम
ॐ ओविदेस: उधव ॥ १ ॥ लिमस्वस
ओसनमवसहसबोक्षाथास ॥ कालक
लविविकयानस: उधव ॥ २ ॥ कसकी

॥ १७ ॥ [illegible]

वबघह्मासे नूगलस्मिमलयास ॥ विसे
दलजोगास दसः उधव ॥ ३ ॥ ह्मनिओ
तुथानथनि ज़िगुलिइः खयाथास ॥
दनङ्कह्म देवज़िनग्यासः उधव ॥ ४ ॥
ह्माकह्मयाथूलिमनिः सगामिध्वलाय
गाकि ॥ यदाज़िनकाकुइयाथासः उध
वचिओज़िन ॥ ५ ॥ ० ॥
रागा ॥ त्रपालि ॥ तालपलिमाँ ॥ जयदा
थसँह ॥ ध्रु ॥ पत्रतस्मकालि सिंतिनाऽ
नातिः जयनाथ ॥ १ ॥ नाथथगँस दम
कावसाव ॥ लजगास विलखध वगाँव
त्रधावः जयनाथ ॥ २ ॥ नामओयकवि
मधि ग्रासिकम्विसाव ॥ त्रिपन्तिनदावा
लाइत्र निपगुनमाओः जयनाथसँह
॥ ३ ॥ ० ॥

॥ श्रीयग्गधथास्ँ श्री ॥ ९४ ॥

१५१

रागा ॥ पहलिया ॥ तालः बौ ॥ देवरूप
नसानस हियमाष तहँगुनूपनसान ॥
सनस हिद यमऊवाघसिबनलगुना
ऊहँहँ ॥ १ ॥ गुनसघपनसानसगुवि
नाऊसहँगुरुहुलनाऊँ ॥ तक्षकनसिष
लसबाघश्री·मनपनिनाऊहँहँ ॥ २ ॥
रागा ॥ श्वनथ ॥ ताल ॥ पँवमाँ ॥ हादँ· ऊयदमा
श्रीहानकिवननसनद ॥ हा दँरवसिँहपन·
वगधनमयाध्यास ॥ पँवसकपुत्रपनिवान
ध्यानँ दऊयाऊँ ॥ हादँ रगानयोइः रव क
ष्टूहूनकाविष्काकक्क ॥ ऊयँ रऊघनि
ष्ठिवनसनन ॥ ॥ ० ॥ ॥

राग ॥ श्री ॥ मालःशमां ॥ ध्याद हगवान
या नाम कायमला न थो धनि ॥ शुद्धा ध्य
न निलालथ्य ऊा न था जि दिन ॥ स्वयं ह
हगवान ॥ १ ॥ भ्रा ह सहु ज लपाऊः
विवक मयाकु ॥ पायदकड़ूनकाऊ जि
उधात्र याऊ ॥ स्वयं ह हगवान ॥ २ ॥
पनिमया गजि विऊः इहि वजि हवनाऊ ॥
दःप्रुशुनिमशुनि विऊ कजूक्षा म याऊ
॥ स्वयं ह हगवान ॥ ३ ॥ ज्ञाकस्रश्री त्रद्ध
चित्र हग न हवनाऊ ॥ दःमृञ्ज काल ऊान्य
जल छिकें जि इ काऊ ॥ स्वयं ह हगवा
न ॥ ४ ॥ ॐ ॥

ना ग. मा लू ऊं आ ॥ ना ल दी मा ॥ लो क या ना
थ लो क ना थ. ग च्छ ह ढ. थु गु लि प ना न
॥ ऋ ॥ थ थि नं सं हा ल स. क प न म य गु
ल ध न म वि र क म या क न ॥ घ न म ह
म नं. म हु पा प ह हु वि क लो क ना थ. ग च्छ
ह नं थु गु लि प ना न ॥ १ ॥ ज म न अ हा वि
ह्य वी ना ऊ अ न. य नि. ऊँ ढ जि ग च्छ थ
प ना न नं: ॥ २ ॥ ज न मं ऊ मा कि के स न
न या. था ह लो क ना थ ग च्छ ह न थु गु
लि प ना न ॥ २ ॥ ❁ ॥

राग: धनाश्री ॥ ताल चौमा ॥ अस्थाई ॥ ॥ हो दे: क
वीलास: परवत: सरसीरन वीज्याक: हो दे: जवरख
वं: नंदी मांदी ॥ ग ॥ रसन आनंद वीज्याक ॥ ली ॥
घुघ गुली जस होस्य: वीमुतीन हंस चुस्य: घुमा
गस्य: समानस: होला वीज्याक ॥ प्र ॥ दीमी दीमी
दमरू घाव: वीवजीन: सीधी फत ज्ञान ॥ १ ॥ ❀ ॥

राग आसावरी ॥ ताल प्रताल ॥ ॥ कांताजी प्रेम
नमारो: मुवामो तीत्पाई ॥ ध्रु ॥ उर वीनु सुर वीनु
पंथ चरन वीनु: जलास पेल वीनु नैसा ॥ सोशा
और को मारे: जोत्पाई जागे रंगतन मांशा: कां
ताजी ॥ १ ॥ नदीयां कीनारासें: बलाके पीरुवा: व
मैं पत्ता नाही ॥ स्व वेसी चुनी चुनी: वाव तमृग
वा: मृग के सीर नाही: कांताजी ॥ २ ॥ येक हो हात
तीये: एक ही वारा: वमें पंजा नाही ॥ षींचन वा
नसें: मारत मृगवा: मृग के घाव नाही: कांताजी

॥३॥ कहायकबीरसुनोभाईसाधुः एहपदबु
झो वीर ॥ येहीपदको अर्थनो बोलोः स्वगुरुह
मंहीचेलाः थांनाजी ॥४॥ ❁ ॥
रागः स्वरथ ॥ तालप्रताल ॥ ॥ नुयोरानीःईस्व
रीयाःजपःतपःयाय ॥ध्रु॥ थवपुत्रराजकुमार
पुत्रीकुम्रांजीनीः ॥ माहारानीसहीतनःतपोव
नवनेंनुयोरानीआवःनुयो ॥१॥ दकोलोकेबीर
छनःचोयावलीसेवलः ॥ दौसघदेवेबीयाःलोक
वुकेंयानाचोवरानीआवःनुयो ॥२॥ रथसजोल
पाहयाःसलदानवीयधुन ॥ मृगवनयाःमृगवया
ध्यानकल
रथचलेंयानसोवरानीआवःनुयो ॥३॥ रथदान
वीयधुनःथवपुत्रलुकुंद्धीस्य ॥ माहारानीराजकुमा
रीःपुर्णसालाचेनःसोवरानीआवःनुयो ॥४॥ स्वान
फलवनयासोभाःसोवरानीकोकील हाल ॥ नमोदुच
घसयागुःजपःतपःयायेनुयोरानीआवःनुयो ॥५॥ ❁ ॥

नुयोरानी ईस्वरी २१

राग॥विलास॥मालश्री॥ ॥अर्कसिंह ना
रुङ्कुमार सर्वार्थसिद्ध॥ॐ॥राज्ञ राग त्या
गकिया चुडाकर्म किया॥हादः निरंजन
नदि निनं थागकियाह॥अर्कसिंह॥१॥
हादः सुजाताण पिन्द्र पात्रदान किया॥वो
धिवृक्ष मूल वजासन कियाह॥अर्कसिं
ह॥२॥हादः नमुचिमार संग संग्राम कि
या॥मार सव जिनिक मृगदाव धर्म माज्ञा
॥अर्क॥३॥हादः धर्म्म चक्र प्रवर्त्तन किया
अर्कसिंह॥पञ्च भद्रिका सव चूडाकर्म कि
याह॥अर्क॥४॥नगर ग्राम दुलिगगन
होमकिया॥शुद्धोदन रोग नमि दर्शन कि
याह॥अर्क॥५॥नेपाल पाछनु पाकि त्रि
रत्न वीर॥हादः जगत संसार रक्षाक
ना अर्कसिंह॥अर्क॥६॥ ॥शुभ

श्री वर्षसिंह राजकुमार २२

१६

राग॥ क्कला ॥ ताल जति ॥ ॥प्रभुमेंजि

सर्वार्थसिद्ध नागकुमार॥ ॐ ॥दिथि

नागकिथी स्युरुन गर्लवकि तथामेंगि:

मुघहम काहा गातुं स्याज॥ हसंखिमनी

धन्ता मेंजि प्राघ कहागथा· नूवकाहा

दनसघ पातुं॥ प्रभुमेंजि॥ १ ॥जगनकें

उपन कनूधा क्रुपाजाहिव: नाथं नाग

न्यागाकिथो प्रभु॥ नपाल भुवनपति श्री

त्रिभुवघवीन: विक्रम साहादेवयाय॥

२॥ ०॥

राग ॥ वसंत ॥ हादें कुलसील

राग॥ वसंत॥ ताल चो॥ खवकुवा अमोगपासतके

न॥ हादे॥ जल। कि दाव ना थासथा था। नेल चोना

चीन॥ हादे अमोघपासतो लता। वम नोरे सोव

॥१॥ दाजु। के। कि गा मनोहरा वन॥ अमोपा

सी। चे ना वमनोहरायनरे॥ खवकुवा॥ २॥

हादे सुयधल अपसराःरे ग्या ना व विस्पवन॥

हादेवा चोन ता मनोहरा·पोन तालया सवदव ल:

सोवकवा॥ ३॥ दाजु। कि जा नेहा। नेह रख्वा धाने

प्रभुमेंजि रसन लोर्षु २२

स्वकुवा अमोघपास नेंकिन

श्री

राग मंगल॥ ताल असतारा॥ वंदे गरापं भव भये
हरनं: शकल सुरासुरं: नीरमल चरनं: दुबीन: द
बनं: शागर चरनं:॥ नीनं: वनमानसं: नीरमल
चरनं:॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

राग मंगल॥ तालचो॥ शुजोधनराजा कु
ल: अतीभीन: वखान: याव॥ हादे: अमृतनं जुद
अतीअवीशेख: कालजगत:सं: जुलसाकेसुनी: अ
वतार॥१॥ मायादेवीयालालख: लोकप्रतीपाल
याक:॥ सुरनर मुनीजन २ पुजाभावया क:॥ जगत
॥२॥ ॥ ॥

[illegible] तालचो। ॥ हादेसो वबुया अ[illegible]
पालनकेन॥ हादेजलक दावनाथा[illegible]
निर्लिबीजा चोन॥ हाद्दे अमोग पारुतीलला, [illegible]
नहराकेतरे सोवबुया॥१॥ सुयाद्दू ल अमस्त
रारे: मया ना वी बे सा वन॥
होदे चायो [illegible]
नोह रा पो नका ल या सव दवल सोवबुया॥२॥
दाउ किला मनो हे हारे॥ अनोधपासनाचिनाबेम
नोहरायनरे सोवबुया॥३॥ दाउ किला व्याघानि[illegible]

रागवसंतः तालजति ॥ ॥हांहादेःकक्षयाल
पालपरवनसं·वसलपाविज्यानवस·श्रम्हतां
भासिलेतसेजपध्यान ॥ अरुसायावर्णावसहेल
मोतिमालहलसःजाजुवेविज्यानवसमान ॥ १ ॥
श्रीकरुनामयआनश्वरिलेश्वरयाकुरेजग३धा
र ॥ ध्रु ॥हांहादेलोकसेनंफोनवलेथयागुलेवि
लवसनंःजितद्वताप्रसंनजुमाल ॥ धुगुद्दुस्वफु
तकिवद्धलयेलद्धछरवना आशानंवयाभल
सानं ॥ श्री ॥ २ ॥हांहादेशरीलसथ्वयाधिनं
मपिदलपातल हलसः मत्यूकारतरेयाविव ॥ अने
२ वैदेकेनाः नानाउपकारयानामगेलयोजिनउ
पकार ॥ श्री ॥ ३ ॥हांहादेचनंक्षिनंसुमलयाअन
देवयाकेभजनयानाजिरवनावदयामद्दुदेव ॥ श्वव
श्ववजिपायियारध्वाल·चानंक्षिनंडःरवुसालथेःआनं
सरिलोकेश्वरदेव ॥ श्री ॥ ४ ॥अंगनिसाअवतार
नृपतिश्रीजयवीरश्रीराजपरकासमल्ल ॥हाकल
लयादेहजुलनिलसयाप्रानतुतलेआनंसरिले